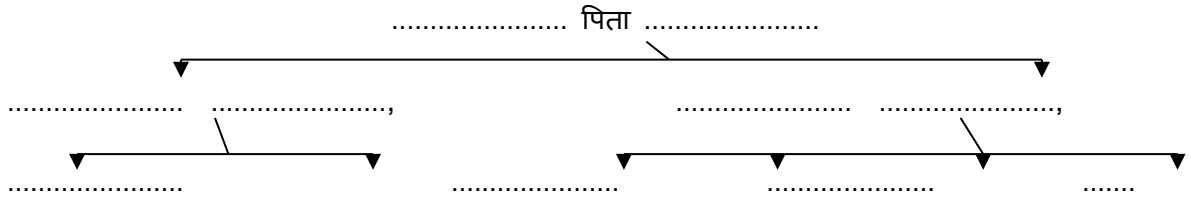


पारिवारिक व्यवस्था-पत्र

बटवारा नामा

1. पिता, निवासी -....., तहसील-....., जिला -
2. पिता, निवासी -....., तहसील-....., जिला -
3. पिता, निवासी -....., तहसील-....., जिला -
4. पिता, निवासी -....., तहसील-....., जिला -
5. पिता, निवासी -....., तहसील-....., जिला -

/ / वंशवृक्ष / /



पारिवारिक व्यवस्थापत्र लिख दिया हम पक्ष क्र.1 से 5 ने एक दूसरे के पक्ष में बावत् ऐसे कि हम सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं । हमारी पारिवारिक कृषि भूमियां ग्राम -,
, में रा.नि.म. -, तहसील, में स्थित हैं,
 जिनका हम क्र.1 से 5 के मध्य पूर्व में बंटवारा हो चुका है। जिस्से हम पूर्ण सहमत है, जिसका विवरण निम्नानुशार है:-

क्र.	ग्राम	ख.न.	रकवा हे.	हिस्सेदार का नाम
1				
	कुल			
2				

	कुल			
3				
	कुल			
4				
	कुल			
5				
	कुल			
	कुल भूमि		१०.४५६	

हमारी बंटवाराशुदा संपत्तियों में से शेष भूमि ग्राम - प.ह.न. राजस्व निरीक्षक मण्डल, तहसील -..... जिला- स्थित भूमि ख. न.क्रमश:- रकवाहे कुल 0.....हे. पर शामिल खातेदारके साथ दर्ज चली आ रही है। उक्त भूमि आवेदकगणों की पैत्रक भूमि है। जो कि हमारे पूर्वजों द्वारा पिताव पिता को ख.न.क्रमश:- रकवाहे में सेवहे भूमि बंटवारा अनुशार मौखिक रूप से प्रदान की गई थी । उक्तानुशार पिता व.....पिता का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाना है।

हम क्र.1 से 5 तक अपना-अपना हिस्सा पा चुके हैं तथा हमें एक-दूसरे के हिस्से से हक-हकूक नहीं है। इससे हम या हमारे वारसानों को कोई उजर/आपति नहीं है और न भविष्य में होगी । उक्त भूमि वर्तमान में ग्राम-.....ख.न.क्रमश:- रकवाहे में सेहे. पर पिता व ख.न.क्रमश:- रकवाहे में सेहे पिता का नाम हिस्सा अनुशार दर्ज किये जाने में हम पक्ष क्र. 1 से 5 की पूर्ण सहमति/स्विकृति और अनापति है ।

लिहाजा, पारिवारिक व्यवस्थापत्र हम क्र. 1 से 5 ने एक दूसरे के पक्ष में भविष्य की सुरक्षा हेतु समक्ष गवाहान अपने पूर्ण होश-हवास तंदरूस्ती की हालत में अच्छी तरह पढ-समक्षकर लिखा व हस्ताक्षरित किया जो सनद् रहे, वक्त पर काम आवे । फ. ता.बमुकाम ।
हस्ताक्षर सभी के

पक्ष क्र.1

पक्ष क्र.2

पक्ष क्र.3

पक्ष क्र.4

पक्ष क्र.5